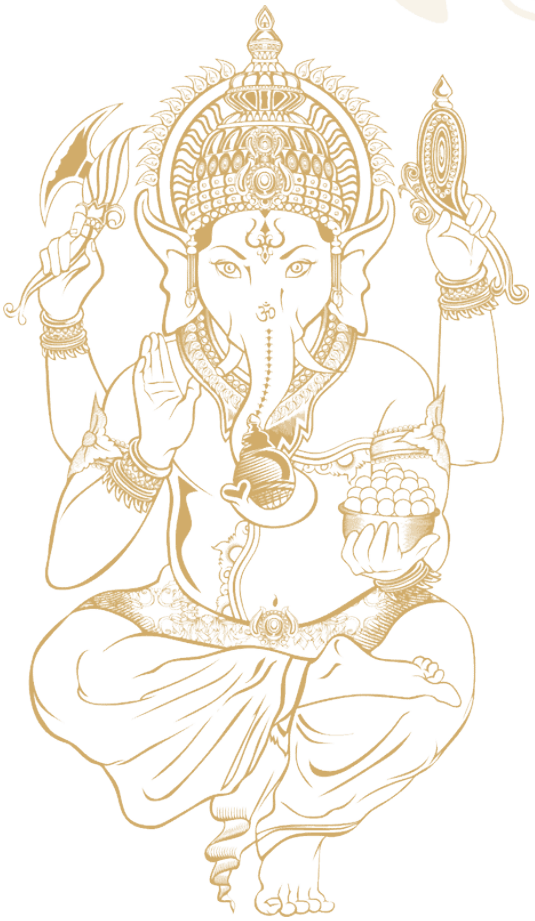

23 Sep 2021

09:45 PM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121397502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/09/2021**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:45:00 घंटे**
इष्ट	39:10:31 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:29:16 घंटे
वेलान्तर	00:07:37 घंटे
साम्पातिक काल	21:40:12 घंटे
सूर्योदय	06:04:47 घंटे
सूर्यास्त	18:10:57 घंटे
दिनमान	12:06:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:41:45 कन्या
लग्न के अंश	13:31:50 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोखी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	13:31:50	371:40:12	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	---
सूर्य			कन्या	06:41:45	00:58:43	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	सम राशि
चंद्र			मेष	07:41:14	12:12:28	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	11:27:42	00:39:01	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
बुध			तुला	00:39:47	00:21:23	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मक	29:09:38	00:04:41	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र			तुला	20:28:34	01:07:46	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि	व		मक	12:58:27	00:01:42	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		वृष	09:22:18	00:05:52	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	09:22:18	00:05:52	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	20:09:34	00:01:35	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		कुंभ	27:22:29	00:01:38	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो	व		मक	00:11:56	00:00:22	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			मक	28:32:21	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:22

लग्न-चलित

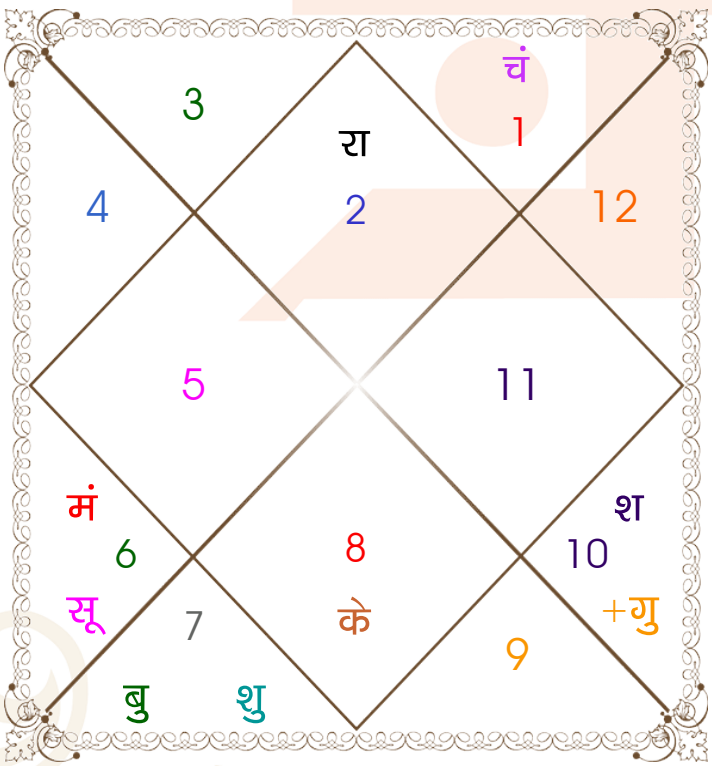

चन्द्र कुंडली

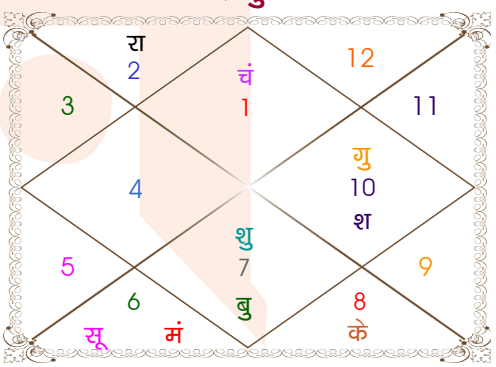

नवमांश कुंडली

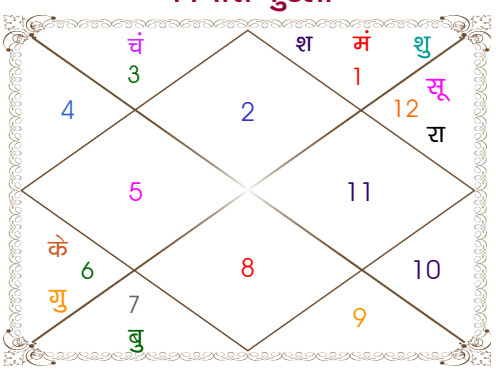

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 11 मास 17 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/09/2021		10/09/2024		10/09/2044		11/09/2050		10/09/2060	
10/09/2024		10/09/2044		11/09/2050		10/09/2060		11/09/2067	
	00/00/0000	शुक्र	11/01/2028	सूर्य	29/12/2044	चंद्र	12/07/2051	मंगल	06/02/2061
	00/00/0000	सूर्य	10/01/2029	चंद्र	29/06/2045	मंगल	10/02/2052	राहु	25/02/2062
	00/00/0000	चंद्र	11/09/2030	मंगल	04/11/2045	राहु	11/08/2053	गुरु	01/02/2063
	00/00/0000	मंगल	11/11/2031	राहु	29/09/2046	गुरु	11/12/2054	शनि	11/03/2064
	00/00/0000	राहु	10/11/2034	गुरु	18/07/2047	शनि	11/07/2056	बुध	09/03/2065
	23/09/2021	गुरु	11/07/2037	शनि	29/06/2048	बुध	11/12/2057	केतु	05/08/2065
गुरु	05/08/2022	शनि	10/09/2040	बुध	05/05/2049	केतु	12/07/2058	शुक्र	05/10/2066
शनि	14/09/2023	बुध	12/07/2043	केतु	10/09/2049	शुक्र	11/03/2060	सूर्य	10/02/2067
बुध	10/09/2024	केतु	10/09/2044	शुक्र	11/09/2050	सूर्य	10/09/2060	चंद्र	11/09/2067

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/09/2067		10/09/2085		11/09/2101		11/09/2120		11/09/2137	
10/09/2085		11/09/2101		11/09/2120		11/09/2137		00/00/0000	
राहु	24/05/2070	गुरु	30/10/2087	शनि	14/09/2104	बुध	08/02/2123	केतु	07/02/2138
गुरु	17/10/2072	शनि	12/05/2090	बुध	25/05/2107	केतु	05/02/2124	शुक्र	10/04/2139
शनि	24/08/2075	बुध	17/08/2092	केतु	03/07/2108	शुक्र	06/12/2126	सूर्य	15/08/2139
बुध	12/03/2078	केतु	24/07/2093	शुक्र	03/09/2111	सूर्य	12/10/2127	चंद्र	15/03/2140
केतु	30/03/2079	शुक्र	24/03/2096	सूर्य	15/08/2112	चंद्र	13/03/2129	मंगल	12/08/2140
शुक्र	30/03/2082	सूर्य	10/01/2097	चंद्र	16/03/2114	मंगल	10/03/2130	राहु	30/08/2141
सूर्य	22/02/2083	चंद्र	12/05/2098	मंगल	25/04/2115	राहु	26/09/2132	गुरु	24/09/2141
चंद्र	23/08/2084	मंगल	18/04/2099	राहु	01/03/2118	गुरु	02/01/2135		00/00/0000
मंगल	10/09/2085	राहु	11/09/2101	गुरु	11/09/2120	शनि	11/09/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 11 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ठ धघ्नादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगी या जी चुरायेंगी तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ठ धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहती हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नही लेती हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करती हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेती हों उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखती हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाती हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त कर लेती हैं।

क्योंकि आप यह जानती हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम पड़ता हैं तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाती हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना की महिला नही हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहती हैं।

स्वाभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाली प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाली तथा पीछे मुडकर नहीं देखती हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नही चाहती यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरूचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझती हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय की प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्त्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नही लगती है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों की सहायक होंगी।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकती हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगी। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगी। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहती हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं।

अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।